



नगिरानी गुब्बारा

प्रलिम्स के लिये:

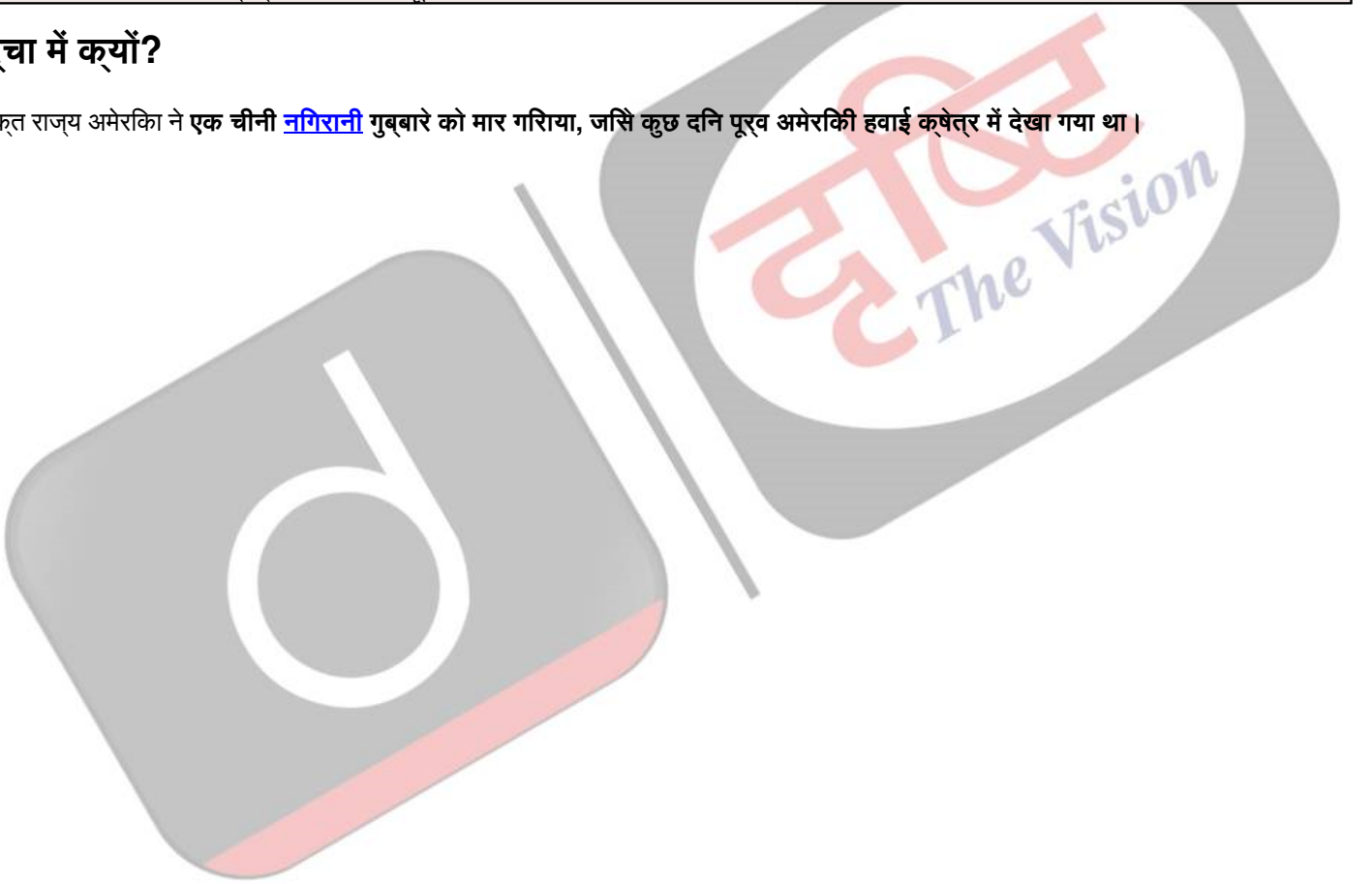
नगिरानी गुब्बारा, मानव खुफिया, बाह्य अंतरिक्ष संधि, 1967

मेन्स के लिये:

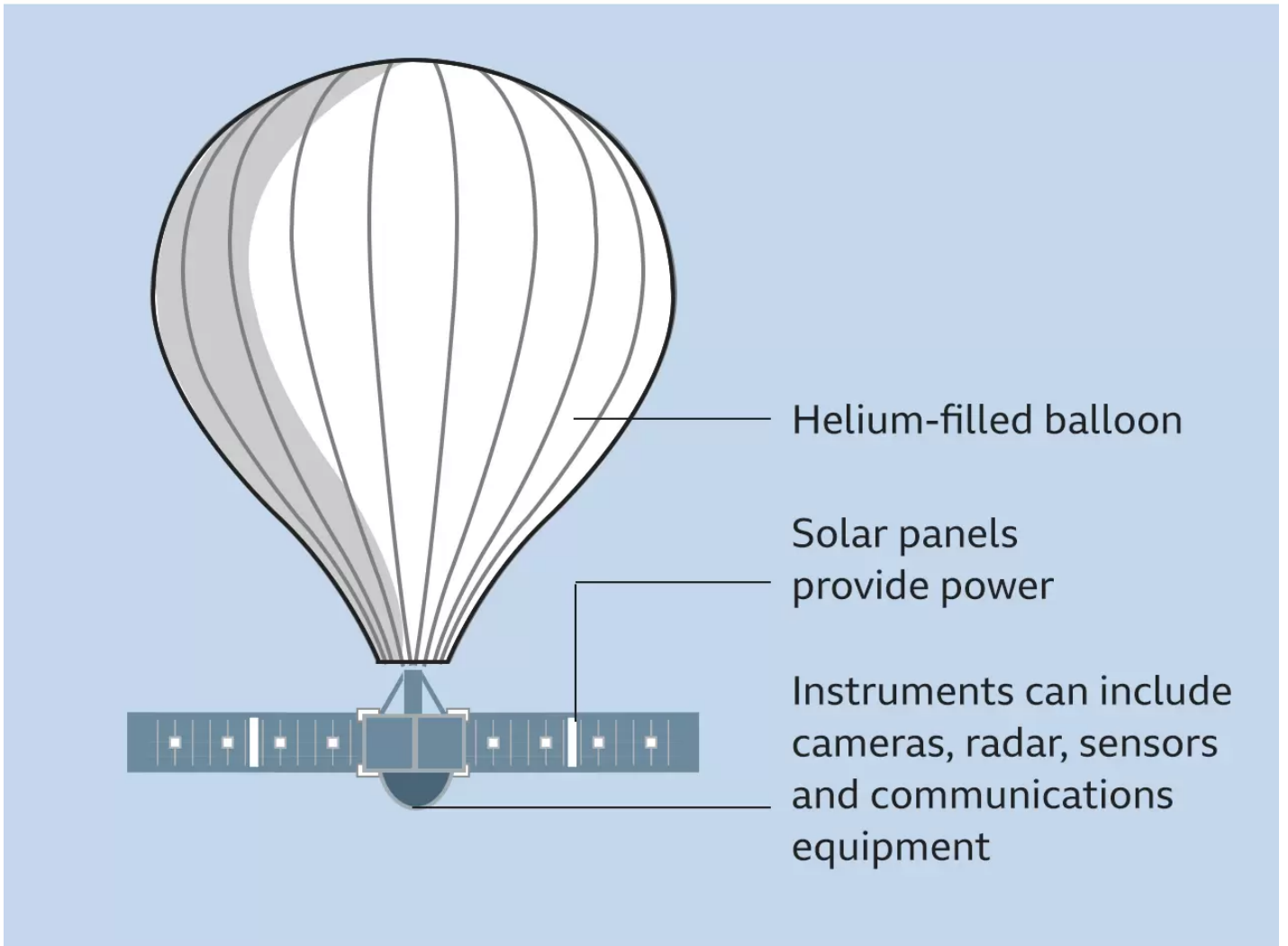
नगिरानी तकनीक और हवाई क्षेत्र से संबंधित कानून ।

चर्चा में क्यों?

संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक चीनी नगिरानी गुब्बारे को मार गिराया, जसि कुछ दनि पूरव अमेरिकी हवाई क्षेत्र में देखा गया था ।



High altitude surveillance balloons



How high do they fly?



//

नगिरानी गुब्बारा:

परिचय:

- इन सस्ते, शांत और दूरगम इलाकों में पहुँच वाले गुब्बारों का उपयोग टोही उद्देश्यों के लिये किया गया है, जिसमें अमेरिकी गृहयुद्ध जैसे संघर्ष भी शामिल हैं।
- **प्रथम विश्व युद्ध** के दौरान इन गुब्बारों का अधिकाधिक प्रयोग किया गया और **शीत युद्ध** के दौरान बड़े पैमाने पर इनका इस्तेमाल तब किया गया जब अमेरिका ने सोवियत संघ तथा चीन को लेकर खुफिया जानकारी इकट्ठा करने के लिये सैकड़ों गुब्बारे लॉन्च किये।
 - जबकि **मानव रहति ड्रोन** और **उपग्रहों के उपयोग के कारण** इनके उपयोग में गतिवृद्धि आई है, कई देश अभी भी नगिरानी हेतु गुब्बारों का उपयोग करते हैं।
- **गुब्बारा भेजने का उद्देश्य:**
 - दशकों से चीन द्वारा अपनी सीमाओं के पास अमेरिकी जहाजों और जासूसी विमानों द्वारा नगिरानी किये जाने के बारे में शिकायत की गई है, जिससे कई बार झड़पें भी होती रहती हैं। **चीन के अनुसार, गुब्बारे को अनुसंधान हेतु बनाया गया था, कति यह मार्ग से भटक गया।**

सरकार नगिरानी गुब्बारे का उपयोग क्यों करती है?

- **क्लोज़-रेंज मॉनिटरिंग:** उपग्रहों के इस युग में नगिरानी गुब्बारे आमतौर पर उन्नत गुब्बारे हैं जो उच्च तकनीक, डाउनवर्ड-पॉइंटिंग इमेजिंग सुविधाओं और उपकरणों से लैस होते हैं एवं न्यमित रूप से नगिरानी करते हैं।
- **छवि गुणवत्ता:** कम ऊँचाई पर उड़ने वाले गुब्बारे, जो वाणिज्यिक विमानों के समान ऊँचाई पर उड़ते हैं, आमतौर पर सबसे कम ऊँचाई पर परकिरमा करने वाले उपग्रहों की तुलना में स्पष्ट चित्र ले सकते हैं।
 - ऐसे उपग्रह जो पृथ्वी के सामंजस्य में घूमते हैं, दूर की कक्षा के कारण नरितर लेकिन धुँधली छवियों को कैच करते हैं।
- **कम्युनिकेशन में बाधा:** सर्विलांस गुब्बारे "इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल कैचर करने" और कम्युनिकेशन बाधा उत्पन्न करने में भी सक्षम हो सकते हैं।

नगिरानी तकनीकों के अन्य तरीके:

- **इलेक्ट्रॉनिक नगिरानी:** इसका उपयोग संचार संकेतों को बाधित करने, फोन कॉल टैप करने और ई-मेल तथा डिजिटल संचार के अन्य रूपों की नगिरानी करने में किया जा सकता है।
- **मानव बुद्धिमत्ता (HUMINT):** संवेदनशील जानकारी तक पहुँच रखने वाले लोगों की भर्ती करना, जैसे कि राजनयिक कर्मचारी, सैन्यकर्मी या सरकारी अधिकारी, नगिरानी में नयोजित प्रमुख तत्त्वों में से हैं।
- **साइबर जासूसी:** यह साइबर हमले का एक रूप है जो प्रतिसिपेडि कंपनी अथवा सरकारी संस्था द्वारा लाभ प्राप्त करने के लिये वर्गीकृत, संवेदनशील डेटा या बौद्धिक संपदा की चोरी करता है।
- **सैटेलाइट इमेजरी:** कभी-कभी वदिशों के बारे में जानकारी इकट्ठा करने के लिये उपग्रहों का उपयोग किया जाता है।
- **ड्रोन प्रौद्योगिकी:** ड्रोन, जसि **मानव रहति हवाई विमान (Unmanned Aerial Vehicles- UAV)** के रूप में भी जाना जाता है, का उपयोग नगिरानी और जासूसी उद्देश्यों हेतु किया जा सकता है। ड्रोन कैमरे, श्रवण यंत्र एवं अन्य सेंसर से लैस वदिशी क्षेत्रों में उड़ान भर सकते हैं और खुफिया जानकारी जुटा सकते हैं।

हवाई क्षेत्र और इससे संबंधित कानून:

परिचय:

- अंतरराष्ट्रीय कानून में वायु क्षेत्र, एक विशेष राष्ट्रीय क्षेत्र के रूप का स्थान है, जसि क्षेत्र को नियंत्रित करने वाली सरकार से संबंधित माना जाता है।
- इसमें बाहरी अंतरिक्ष शामिल नहीं है, जसि वर्ष 1967 की **बाह्य अंतरिक्ष संधि (Outer Space Treaty)** के तहत मुक्त घोषित किया गया है और राष्ट्रीय वनियोग के अधीन नहीं है।
 - हालाँकि संधिने उस ऊँचाई को परिभाषित नहीं किया जसि पर बाह्य अंतरिक्ष शुरू होता है और वायु स्थान समाप्त होता है।

हवाई क्षेत्र संप्रभुता:

- यह एक संप्रभु राज्य का अपने हवाई क्षेत्र के उपयोग को वनियमित करने और अपने स्वयं के विमानन कानून को लागू करने का मौलिक अधिकार है।
- इसके तहत राज्य अपने क्षेत्र में वदिशी विमानों के प्रवेश को नियंत्रित करता है और इस क्षेत्र में सभी व्यक्ति राज्य के कानूनों के अधीन होंगे।
- हवाई क्षेत्र संप्रभुता का सिद्धांत पेरिस कन्वेंशन ऑन रेगुलेशन ऑफ एरियल नेविगेशन (1919) और बाद में अन्य बहुपक्षीय संधियों द्वारा स्थापित किया गया है।
- अनुबंधित राज्य **शिकागो कन्वेंशन, 1944** के तहत अन्य अनुबंधित राज्यों में पंजीकृत विमान और पूर्व राजनयिक अनुमति के बिना अपने क्षेत्र में उड़ान भरने हेतु व्यावसायिक गैर-अनुसूचित उड़ानों में संलग्न होने के साथ-साथ यात्रियों, कार्गो एवं डाक प्राप्त करने और उतारने की अनुमति देने के लिये सहमत हैं।
 - यह प्रावधान व्यवहार में मृत पत्र बन गया है।

नषिदिह हवाई क्षेत्र:

- यह ऐसे हवाई क्षेत्र को संदर्भित करता है जसिके भीतर आमतौर पर सुरक्षा चिंताओं के कारण विमान के उड़ान की अनुमति नहीं है। यह कई प्रकार के विशेष उपयोग वाले हवाई क्षेत्र पदनामों में से एक है और इसे वैमानिकी चार्ट पर "पी" अक्षर के साथ अनुक्रमिक संख्या द्वारा दर्शाया गया है।

प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र:

- नषिद्धि वायु कषेत्र से भन्नि इस कषेत्र में आमतौर पर सभी वमिनॉं का प्रवेश वरजति है और वायु यातायात नयितरण (ATC) या वायु कषेत्र के नयितरण नकियाय से मंजूरी के अधीन नहीं है ।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वरष के प्रश्न

प्रश्न. अंतर्राष्ट्रीय नागरकि उड्डयन कानून सभी देशों को उनके कषेत्र के ऊपर हवाई कषेत्र पर पूरण और अनन्य संप्रभुता प्रदान करते हैं । 'हवाई कषेत्र' से आप क्या समझते हैं ? इस हवाई कषेत्र के ऊपर अंतरकिष पर इन कानूनों के क्या प्रभाव हैं? इससे उत्पन्न चुनौतियों पर चर्चा कीजयि और खतरे को नयितरति करने के उपाय सुझाइये । (मुख्य परीक्षा, 2014)

[स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस](#)

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/surveillance-balloon>

